भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
10.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1781 का उत्तर

मेक इन इंडिया पहल के तहत निर्मित ट्रेनें

1781. डॉ. मन्ना लाल रावत:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) **वर्तमान में देश में 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत निर्मित और संचालित हो रही रेलगाड़ियों के नाम क्या हैं और उनकी प्रमुख तकनीकी विशेषताएं क्या हैं;**

(ख) **क्या उदयपुर और अहमदाबाद के बीच रेलवे ट्रैक विद्युतीकरण का कार्य पूरा हो चुका है और यदि हाँ, तो इस परियोजना पर हुए व्यय का पूरा ब्यौरा क्या है;**

(ग) **क्या पश्चिम रेलवे द्वारा उदयपुर और असरवा (अहमदाबाद) के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाने का कोई प्रस्ताव है;**

(घ) **यदि हाँ, तो इसके शुरू होने की संभावित तिथि क्या है;**

(ङ) **क्या उदयपुर से अहमदाबाद होते हुए सूरत, मुंबई और दक्षिण भारत के लिए नई रेल सेवाएँ शुरू करने की कोई योजना है; और**

(च) **यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उनके कार्यान्वयन के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?**

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव कराने के उद्देश्य से, भारतीय रेल ने आधुनिक सवारी डिब्बों, उन्नत संरक्षा विशेषताओं और यात्री सुविधाओं वाली स्वदेशी रूप से डिजाइन और विनिर्मित वंदे भारत गाड़ियां शुरू की हैं। वर्तमान में, भारतीय रेल नेटवर्क पर 164 वंदे भारत सेवाएं परिचालित की जा रही हैं।

इन नई वंदे भारत गाड़ियों की निम्नलिखित विशेषताएं हैं:

I. कवच से सुसज्जित।
II. झटका मुक्त सेमी-परमामेंट कपलर।

III. केंद्रीय रूप से नियंत्रित स्वचालित प्लग दरवाजे और पूरी तरह से सीलबंद चौड़े गैंगवे।
IV. सभी सवारी डिब्बों में आपातकालीन अलार्म पुश बटन और टॉक बैक यूनिट।
V. बेहतर अग्नि संरक्षा - विद्युत कैबिनेटों और शौचालयों में एरोसोल आधारित अग्नि संसूचन और शमन प्रणाली।
VI. 180/160 किमी प्रति घंटे की डिजाइन/परिचालन गति वाला उच्च त्वरण।
VII. वॉयस रिकार्डिगं सुविधा और क्रैश हार्डन मेमोरी से ड्राइवर-गार्ड संप्रेषण।
VIII. स्वदेशी रूप से विकसित यूवी-सी लैंप आधारित विसंक्रमण प्रणाली के साथ एयर कंडीशनिंग इकाइयां।
IX. बेहतर यात्रा सुविधा।
X. सभी सवारी डिब्बों में सीसीटीवी।
XI. दिव्यांग यात्रियों के लिए प्रत्येक छोर पर ड्राइविंग कोच में विशेष शौचालय।
XII. रिमोट मॉनिटरिंग के लिए कोच कंडीशन मॉनिटरिंग सिस्टम डिस्प्ले।

रेलवे ने अमृत भारत एक्सप्रेस नाम से पूर्णतः गैर-वातानुकूलित आधुनिक गाड़ी विकसित की है। 30 सेवाएँ पहले से ही परिचालित की जा रही हैं। वर्तमान में, इन आधुनिक रेलगाड़ियों में 11 सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बे, 8 शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बे, 1 पेंट्री कार और 2 सामान-सह-दिव्यांगजन सवारी डिब्बे शामिल हैं।

इन रेलगाड़ियों में निम्नलिखित उन्नत विशेषताएं और सुविधाएं हैं:

I. वंदे भारत स्लीपर के समान उन्नत रूप और अनुभूति वाले सीट और बर्थ का बेहतर साज-सज्जा।
II. झटका मुक्त सेमी-ऑटोमेटिक कपलर्स।
III. क्रैश ट्यूब के प्रावधान से सवारी डिब्बों में बेहतर क्रैशवर्दीनैस।
IV. सभी सवारी डिब्बों और सामान कक्ष में सीसीटीवी प्रणाली का प्रावधान।
V. शौचालयों का बेहतर डिज़ाइन।
VI. बर्थ पर आसानी से चढ़ने के लिए सीढ़ी का बेहतर डिज़ाइन।
VII. बेहतर एलईडी लाइट फिटिंग और चार्जिंग सॉकेट।
VIII. ईपी सहायता प्राप्त ब्रेकिंग प्रणाली का प्रावधान।
IX. शौचालयों और इलेक्ट्रिकल क्यूबिकल्स में एरोसोल आधारित अग्नि शमन प्रणाली।
X. यूएसबी टाइप-ए और टाइप-सी मोबाइल चार्जिंग सॉकेट।
XI. यात्री और गार्ड/रेलगाड़ी प्रबंधक के बीच पारस्परिक संचार के लिए आपातकालीन टॉक-बैक प्रणाली।
XII. उन्नत तापन क्षमता वाली गैर-वातानुकूलित पेंट्री।
XIII. आसानी से जोड़ने और अलग करने के लिए त्वरित मोचन प्रणाली वाले पूर्ण रूप से सीलबंद गैंगवे।

वंदे भारत रेलगाड़ियों की विशेषताओं का उपयोग करके, अंतः नगरीय उपनगरीय और क्षेत्रीय दैनिक यात्रियों की कम दूरी की यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाने हेतु नमो भारत रैपिड रेल शुरू की गई है। वर्तमान में, भारतीय रेल नेटवर्क पर 4 नमो भारत रैपिड रेल सेवाएँ परिचालित की जा रही हैं।

नमो भारत रैपिड रेल की प्रमुख विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

I. केंद्रीय रूप से नियंत्रित डबल लीफ ऑटोमेटिक स्लाइडिंग दरवाजे
II. संरक्षा और यात्री निगरानी के लिए सीसीटीवी
III. गद्देदार सीटें और सीलबंद लचीले गैंगवे वाले मॉड्यूलर इंटीरियर
IV. इमरजेंसी टॉक सिस्टम
V. ऊर्जा कुशल प्रकाश व्यवस्था के साथ निरंतर एलईडी प्रकाश व्यवस्था
VI. वैक्यूम इवैक्यूशन वाले एफआरपी मॉड्यूलर शौचालय
VII. ड्राइवर कैब एसी सहित पूर्णतया वातानुकूलित गाड़ियां

वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत रैपिड रेल रेलगाड़ियों का निर्माण भारतीय रेल उत्पादन इकाइयों द्वारा स्वदेशी रूप से किया जा रहा है। वैश्विक मानकों के अनुरूप इन रेलगाड़ियों के घटकों के विनिर्माण ने 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत रोजगार सृजन और घरेलू चल स्टॉक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान करने वाले भारतीय उद्योगों को बहुत बढ़ावा दिया है।

उदयपुर में वर्तमान में 27 जोड़ी रेलगाड़ी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इनमें से 05 जोड़ी रेलगाड़ी सेवाएं उदयपुर को असारवा से जोड़ती हैं, 02 जोड़ी ट्रेन रेलगाड़ी उदयपुर को सूरत और मुंबई से जोड़ती हैं, जबकि 01 जोड़ी रेलगाड़ी सेवाएं उदयपुर को मैसूरु/बेंगलुरु/बेलगावी से जोड़ती हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर संपर्कता बढ़ाने के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाओं सहित नई रेलगाड़ी सेवाएं शुरू करना एक सतत् प्रक्रिया है और विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है जिनमें शामिल हैं-

- उस खंड की क्षमता
- मार्ग की उपलब्धता
- अपेक्षित चल स्टॉक की उपलब्धता
- चल स्टॉक के लिए समान अवसंरचना की उपलब्धता
- रेलपथों और अन्य परिसंपत्तियों की अनुरक्षण आवश्यकता

इसके अलावा, उदयपुर और अहमदाबाद के बीच रेल विद्युतीकरण का कार्य पूरा हो चुका है और अब तक इस पर 247.66 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

*****